चन्द्रकला बनाम अनिता मु० नं० 154/25

3/2/26 फरीकान उपस्थित/अनु. पीठासीन अधिकारी [illegible] पर है पत्रावली पूर्व आदेश अनुसार दि. 24/2/26 को पेश है
रीडर
उपखण्ड अधिकारी बैर

24-2-26 वकील प्रार्थी उप०। रजि० AD पेश। पत्रा० वास्ते गौर तलबी हेतु दिनांक 24-3-26 को पेश हो।

24/3/26 वकील प्रार्थी उप०। अप्रार्थीगण संख्या [illegible] की रजिस्टर्ड ए.डी कराये। माह से अधिक हो चुका है। बावजूद सूचना के अनुपस्थिति/अ[illegible] के खिलाफ एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है। पत्राo वास्ते बहस हेतु दिनांक 21-4-[illegible] को पेश हो।

21/4/26 फरीकान उपस्थित/अ[illegible] अवकाश पर है पत्रावली पूर्व आदेश अनुसार दि. 10/5/26 को पेश है
रीडर
उपखण्ड अधिकारी बैर

10/5/26 प्रकरण पेश हुआ। एड० प्रार्थी उपस्थित। एड० प्रार्थी की बहस एक-पक्षीय सुनी। पत्रावली में संलग्न राजस्व अभिलेख जमा० 2015-18 का अवलोकन किया 2015-18 अनुसार ख० नं० 1164/365 स्थित ग्राम बेरी तहसील बैर प्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज अभिलेख है। अप्रार्थीगण का विवादित आराजी से कोई संबंध सरोकार नहीं है। प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण स्वीकार योग्य है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण स्वीकार किया जाता है। अप्रार्थीगण को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वह मूल वाद के निर्णय तक विवादित आराजी के मौके की यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली फैसला होकर नियम से [illegible] बाद तामील दाखिल [illegible] वाद हो।